

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (30 प्र0)

पाठ्यक्रम : हिन्दीसाहित्य

बी0 ए0 प्रथम वर्ष

(सन् 2017-18 की परीक्षा से और उससे आगे के लिए)

प्रथम प्रश्नपत्र : मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक 100

| | | | |
|--------------|------------------------|---|---|
| अंक-विभाजन : | अति लघु उत्तरीय प्रश्न | : | दस, 20 अंक (10 × 2), लगभग 50 शब्दों में। |
| | व्याख्या | : | तीन, 30 अंक (3 × 10) --- |
| | लघु उत्तरीय प्रश्न | : | दो, 20 अंक (2 × 10), लगभग 250 शब्दों में। |
| | दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | : | दो, 30 अंक (2 × 15), लगभग 500 शब्दों में। |

निर्धारित कवि एवं उनके काव्यांश

1. कबीरदास : 30 साखी, 8 पद (कबीर-ग्रन्थावली : सम्पा0 श्यामसुन्दर दास)
2. जायसी : 'पदमावत' का एक खण्ड (जायसी ग्रन्थावली : सम्पा0 रामचन्द्र शुक्ल)
3. सूरदास : 'सूरसागर' से 25 पद (सूरसागर : सम्पा0 डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा)
4. तुलसीदास : 'रामचरितमानस' से एक प्रसंग (अयोध्याकाण्ड से, गीता-प्रेस से प्रकाशित)
5. बिहारी : 30 दोहे ('बिहारी-रत्नाकर' : सम्पा0 जगन्नाथदास रत्नाकर)
6. घनानन्द : 15 छन्द ('घनानन्द-कवित्त' सम्पा0 आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र)

पाठ्यपुस्तक : मध्यकालीन काव्यसंग्रह

- सम्पादक :
- (1) डॉ0 दुर्गाप्रसाद ओझा, प्राचार्य, हेमवतीनन्दन बहुगुणा पी0जी0 कालेज, लालगंज, प्रतापगढ़।
 - (2) डॉ0 निरंकार सिंह, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, सांगीपुर, प्रतापगढ़।

द्वुत-पाठ हेतु - रहीम, केशव तथा भूषण का अध्ययन अपेक्षित है। इन कवियों में से प्रत्येक पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे। अतिलघुउत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से और व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भग्रन्थ :

1. मध्ययुगीन काव्यसाधना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
2. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : डॉ0 द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
3. हिन्दी की मध्यकालीन कविता : (सं0) डॉ0 सत्यप्रकाश
4. हिन्दी सूफी-काव्य का समग्र अनुशीलन : डॉ0 शिवसहाय पाठक
5. उत्तरी भारत की संत-परम्परा : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
6. हिन्दी के सूफी प्रेमाख्यान : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
7. कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. कबीर-मीमांसा : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
9. कबीर : डॉ0 विजयेन्द्र स्नातक
10. कबीर : एक अनुशीलन : डॉ0 रामकुमार वर्मा

संयोजक

Handwritten signatures and initials, including 'Sik', 'Admin', and 'x 3/1'.

11. कबीर की विचारधारा : डॉ० गोविन्द त्रिगुणायत
12. कबीर : साहित्य की परख : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
13. कबीर की भाषा : माताबदल जायसवाल
14. जायसी-ग्रन्थावली (भूमिका) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
15. जायसी : डॉ० विजयदेव नारायण साही
16. पदमावत का काव्य-सौन्दर्य : डॉ० शिवसहाय पाठक
17. जायसी और उनका काव्य : डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
18. जायसी के पदमावत का मूल्यांकन : जगदीशप्रसाद श्रीवास्तव
19. सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
20. भ्रमरगीत-सार : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
21. सूर और उनका साहित्य : डॉ० हरबंशलाल शर्मा
22. सूर की काव्य-माधुरी : डॉ० रमाशंकर तिवारी
23. सूरकाव्य-मीमांसा : डॉ० हौसिलाप्रसाद सिंह
24. सूरसौरभ : डॉ० मुंशीराम शर्मा
25. सूरदास : डॉ० ब्रजेश्वर वर्मा
26. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
27. तुलसी-काव्यमीमांसा : डॉ० उदयभानु सिंह
28. तुलसी-साहित्य-सुधा : डॉ० भगीरथ मिश्र
29. त्रिवेणी : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
30. रामकाव्य और तुलसी : डॉ० प्रेमशंकर
31. तुलसीदास और उनका काव्य : रामनरेश त्रिपाठी
32. तुलसी-दर्शन : बलदेवप्रसाद मिश्र
33. तुलसी-रसायन : भगीरथ मिश्र
34. बिहारी की वाग्विभूति : आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
35. बिहारी का काव्य-लालित्य : डॉ० रमाशंकर तिवारी
36. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ० बच्चन सिंह
37. कवि-त्रयी : डॉ० रामफेर त्रिपाठी
38. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ० नगेन्द्र
39. बिहारी के काव्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ० रामदेव शुक्ल
40. बिहारी और उनका साहित्य : डॉ० हरबंशलाल शर्मा
41. घनानन्द का काव्य : डॉ० रामदेव शुक्ल
42. घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा : डॉ० मनोहरलाल गौड़
43. घनानन्द : डॉ० कृष्णचन्द्र वर्मा
44. घनानन्द का काव्य-सौष्ठव : डॉ० त्रिलोचन पाण्डेय
45. बिहारी और घनानन्द : परमलाल गुप्त
46. रहीम - बड़े व्यक्ति : बड़े कवि : डॉ० रामशंकर त्रिपाठी
47. केशव और उनका साहित्य : डॉ० विजयपाल सिंह
48. केशव का आचार्यत्व : डॉ० विजयपाल सिंह
49. आचार्य केशवदास : डॉ० हीरालाल दीक्षित
50. केशव की काव्यकला : डॉ० कृष्णशंकर शुक्ल
51. केशव की काव्यभाषा : प्रो० सत्यनारायण त्रिपाठी
52. रहीम-ग्रन्थावली : (सम्पा०) डॉ० विद्यानिवास मिश्र
53. भूषण-ग्रन्थावली : (सम्पा०) डॉ० विद्यानिवास मिश्र
54. पदमावत : डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल
55. जायसी : आकलन के आयाम : प्रो० सदानन्द शाही
56. पदमावत के दो खण्ड : प्रो० सदानन्द शाही
57. सूरदास : कला और जीवनदृष्टि : डॉ० शान्ता सिंह

(Signature)
शुक्ल

(Signature)
Rohini

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (30 प्र०)

पाठ्यक्रम : हिन्दीसाहित्य

बी० ए० प्रथम वर्ष

(सन् 2017-18 की परीक्षा से और उससे आगे के लिए)

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी-निबन्ध, नाटक एवं एकांकी

पूर्णांक 100

| | | | |
|--------------|------------------------|---|---|
| अंक-विभाजन : | अति लघु उत्तरीय प्रश्न | : | दस, 20 अंक (10 × 2), लगभग 50 शब्दों में। |
| | व्याख्या | : | तीन, 30 अंक (3 × 10) --- |
| | लघु उत्तरीय प्रश्न | : | दो, 20 अंक (2 × 10), लगभग 250 शब्दों में। |
| | दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | : | दो, 30 अंक (2 × 15), लगभग 500 शब्दों में। |

(क) निबन्ध : निर्धारित निबन्धकार :

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. प्रतापनारायण मिश्र
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. डॉ० विद्यानिवास मिश्र
6. कुबेरनाथ राय

पाठ्यपुस्तक : निबन्ध-संचयन

- सम्पादक : (1) डॉ० रेखा श्रीवास्तव, अध्यक्ष-हिन्दीविभाग, महात्मा गांधी पी.जी. कालेज, फतेहपुर।
(2) डॉ० प्रभाकर मिश्र, अध्यक्ष-हिन्दीविभाग, आचार्य नरेन्द्रदेव पी.जी. कालेज, बभनान, गोण्डा।

(ख) नाटक : ध्रुवस्वामिनी (जयशंकर प्रसाद)

(ग) एकांकी : निर्धारित एकांकीकार :

1. डॉ० रामकुमार वर्मा
2. भुवनेश्वर
3. लक्ष्मीनारायण मिश्र
4. उपेन्द्रनाथ अशक
5. उदयशंकर भट्ट

पाठ्यपुस्तक : प्रतिनिधि एकांकी

- सम्पादक : (1) डॉ० दानबहादुर सिंह, अध्यक्ष:हिन्दी-विभाग, बजरंग महाविद्यालय, कुण्डा, प्रतापगढ़।
(2) डॉ० सत्यपाल तिवारी, हिन्दीविभाग, हे० न० बहुगुणा पी०जी० कालेज, लालगंज, प्रतापगढ़।

(Handwritten signatures and marks)

दुत-पाठ हेतु- निबन्धकार राहुल सांकृत्यायन तथा बालकृष्ण भट्ट एवं एकांकीकार लक्ष्मीनारायण लाल तथा जगदीशचन्द्र माथुर का अध्ययन अपेक्षित होगा। इनमें से प्रत्येक पर केवल लघुउत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे। अति लघु उत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से और व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भग्रन्थ :

1. हिन्दी का गद्य-साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी
2. हिन्दी निबन्ध का विकास : डॉ० ओंकारनाथ शर्मा
3. निबन्ध : सिद्धान्त और प्रयोग : डॉ० हरिहरनाथ द्विवेदी
4. हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्धकार : डॉ० द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
5. हिन्दी निबन्धकार : डॉ० जयनाथ नलिन
6. हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार : डॉ० रामचन्द्र तिवारी
7. भारतेन्दुयुगीन निबन्ध : डॉ० शिवनाथ
8. महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग : डॉ० उदयभानु सिंह
9. द्विवेदीयुगीन निबन्ध-साहित्य : डॉ० गंगाबख्श सिंह
10. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ० जयचन्द्र राय
11. आचार्य शुक्ल : सन्दर्भ एवं दृष्टि : डॉ० जगदीशनारायण पंकज
12. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ० रामचन्द्र तिवारी
13. निबन्धकार : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : डॉ० विजयबहादुर सिंह
14. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : डॉ० विश्वनाथप्रसाद तिवारी
15. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक : डॉ० जगदीशचन्द्र जोशी
16. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ० जगन्नाथप्रसाद शर्मा
17. प्रसाद के नाटकों के नारी-पात्र : डॉ० मुकुलरानी सिंह
18. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ० रामचन्द्र तिवारी
19. हिन्दी नाटक : इतिहास के सोपान : गोविन्द चातक
20. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच : लक्ष्मीनारायण लाल
21. प्रसाद की नाट्यकला : सुजाता विष्ट
22. ध्रुवस्वामिनी वस्तु एवं शिल्प : सुरेश नारायण
23. प्रसाद के नाटक : डॉ० सिद्धनाथ कुमार
24. हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास : सिद्धनाथ कुमार
25. हिन्दी एकांकी का रंगमंचीय अनुशीलन : भुवनेश्वर महतो
26. प्रसाद का नाट्य शिल्प : डॉ० बनवारीलाल हाण्डा
27. ध्रुवस्वामिनी का शास्त्रीय विवेचन : डॉ० पुरुषोत्तमदास अग्रवाल
28. हिन्दी-एकांकी : डॉ० महेन्द्र भटनागर
29. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास : डॉ० दशरथ ओझा
30. एकांकी और एकांकीकार : डॉ० रामचरण महेन्द्र
31. हिन्दी-नाटक : डॉ० बच्चन सिंह
32. हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास : डॉ० रामचरण महेन्द्र
33. महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : डॉ० रामविलास शर्मा

Handwritten signatures and notes:
Lal
Ramesh
S. S. S.

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (30 प्र0)

पाठ्यक्रम : हिन्दीसाहित्य

बी0 ए0 द्वितीय वर्ष

(सन् 2018-19 की परीक्षा से और उससे आगे के लिए)

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक हिन्दीकाव्य

पूर्णांक 100

| | | | |
|--------------|------------------------|---|---|
| अंक-विभाजन : | अति लघु उत्तरीय प्रश्न | : | दस, 20 अंक (10 × 2), लगभग 50 शब्दों में। |
| | व्याख्या | : | तीन, 30 अंक (3 × 10) --- |
| | लघु उत्तरीय प्रश्न | : | दो, 20 अंक (2 × 10), लगभग 250 शब्दों में। |
| | दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | : | दो, 30 अंक (2 × 15), लगभग 500 शब्दों में। |

निर्धारित कवि एवं उनके काव्यांश

| | | |
|---------------------------------|---|----------------------|
| 1. मैथिलीशरण गुप्त | : | पाँच कविताएँ |
| 2. जयशंकर प्रसाद | : | 'कामायनी' का एक सर्ग |
| 3. सुमित्रानन्दन पन्त | : | पाँच कविताएँ |
| 4. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' | : | पाँच कविताएँ |
| 5. महादेवी वर्मा | : | पाँच कविताएँ |
| 6. रामधारी सिंह 'दिनकर' | : | पाँच कविताएँ |

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक हिन्दीकविता

| | | |
|---------|---|---|
| सम्पादक | : | (1) डॉ0 दुर्गाप्रसाद ओझा, प्राचार्य, हेमवतीनन्दन बहुगुणा पी0जी0 कालेज, लालगंज, प्रतापगढ़। |
| | : | (2) डॉ0 विवेक त्रिपाठी, अध्यक्ष-हिन्दीविभाग, भवंश मेहता महाविद्यालय, भरवारी, कौशाम्बी। |

द्वुत-पाठ हेतु - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, जगन्नाथदास रत्नाकर, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन कवियों पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे। अति लघु उत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से और व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भग्रन्थ :

| | | |
|------------------------------------|---|---------------------------|
| 1. आधुनिक साहित्य | : | आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी |
| 2. नयी कविता के प्रतिमान | : | डॉ0 लक्ष्मीकान्त वर्मा |
| 3. कविता के नये प्रतिमान | : | डॉ0 नामवर सिंह |
| 4. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी | : | आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी |
| 5. छायावाद | : | डॉ0 नामवर सिंह |

(Handwritten signatures and notes)
Rohinton
(अध्यक्ष)

6. हिन्दी के प्रतिनिधि आधुनिक कवि : डॉ० द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
7. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह
8. मैथिलीशरण गुप्त : भारतीय संस्कृति के आख्याता : डॉ० उमाकान्त
9. मैथिलीशरण गुप्त का काव्य : डॉ० रमा सिंह
10. साकेत : एक अध्ययन : डॉ० नगेन्द्र
11. हिन्दी में विविध साहित्यिकवाद : डॉ० रामसजन पाण्डेय
12. आधुनिक कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ : डॉ० नगेन्द्र
13. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : डॉ० रामविलास शर्मा
14. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन : डॉ० कुमार विमल
15. प्रसाद का काव्य : डॉ० प्रेमशंकर
16. जयशंकर प्रसाद : व्यक्ति, वस्तु और कला : डॉ० रामेश्वरलाल खण्डेलवाल
17. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ० नगेन्द्र
18. कामायनी एक पुनर्विचार : गजानन माधव मुक्तिबोध
19. छायावाद की सही परख, सही पहचान : डॉ० सूर्यप्रसाद दीक्षित
20. सुमित्रानन्दन पन्त : डॉ० नगेन्द्र
21. पन्त सहचर : (सं०) अशोक बाजपेयी
22. सुमित्रानन्दन पन्त : कृष्णदत्त पालीवाल
23. सुमित्रानन्दन पन्त : डॉ० सदानन्दप्रसाद गुप्त
24. महाप्राण निराला : डॉ० गंगाप्रसाद पाण्डेय
25. क्रान्तिकारी कवि निराला : डॉ० बच्चन सिंह
26. निराला : आत्महन्ता आस्था : डॉ० दूधनाथ सिंह
27. कवि निराला : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
28. निराला : डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव
29. निराला : डॉ० रामविलास शर्मा
30. महीयसी महादेवी वर्मा : डॉ० गंगाप्रसाद पाण्डेय
31. महादेवी के काव्य में लालित्य-योजना : डॉ० राधिका सिंह
32. निराला की साहित्यसाधना (तीन खण्ड) : डॉ० रामविलास शर्मा
33. दिनकर का रचना-संसार : डॉ० छोटेलाल दीक्षित
34. युगचारण दिनकर : डॉ० सावित्री सिन्हा
35. दिनकर की काव्यभाषा का संरचनात्मक अध्ययन : प्रो० सुरेन्द्र दुबे
36. दिनकर और उनका काव्य : डॉ० जयलक्ष्मी अम्माल
37. राष्ट्रकवि दिनकर और उनकी काव्यकला : डॉ० शिखरचन्द्र जैन
38. दिनकर के साहित्य में व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति : डॉ० रमारानी सिंह
39. आधुनिक कविता का मूल्यांकन : डॉ० इन्द्रनाथ मदान
40. पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण : डॉ० रामधारी सिंह 'दिनकर'
41. हरिऔध-रचनावली : (सम्पादक) प्रो० सदानन्द शाही
42. महादेवी : डॉ० दूधनाथ सिंह
43. स्त्री-सन्दर्भ में महादेवी : डॉ० सुधा सिंह

23/7/2022

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (30 प्र०)

पाठ्यक्रम : हिन्दीसाहित्य

बी० ए० द्वितीय वर्ष

(सन् 2018-19 की परीक्षा से और उससे आगे के लिए)

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी कथासाहित्य एवं नवीन गद्य-विधाएँ

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन : अति लघु उत्तरीय प्रश्न : दस, 20 अंक (10 × 2), लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या : तीन, 30 अंक (3 × 10) ---
लघु उत्तरीय प्रश्न : दो, 20 अंक (2 × 10), लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : दो, 30 अंक (2 × 15), लगभग 500 शब्दों में।

(क) उपन्यास- गबन : प्रेमचन्द

अथवा

भूले-बिसरे चित्र : भगवतीचरण वर्मा

(ख) निर्धारित कहानीकार :

1. जयशंकर प्रसाद
2. प्रेमचन्द
3. 'अज्ञेय'
4. फणीश्वरनाथ रेणु
5. कमलेश्वर
6. भीष्म साहनी
7. अमरकान्त

पाठ्यपुस्तक : कथायात्रा

सम्पादक : (1) प्रो० अनिल राय, आचार्य-हिन्दीविभाग, दी० द० उ० गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

(2) डॉ० रेखा श्रीवास्तव, अध्यक्ष हिन्दीविभाग, महात्मा गांधी पी. जी. कालेज, फतेहपुर।

(ग) निर्धारित नवीन गद्य-विधाएँ

1. आत्मकथा
2. जीवनी
3. संस्मरण
4. रेखाचित्र
5. यात्रावृत्त
6. डायरी
7. इण्टरव्यू (साक्षात्कार)

निर्धारित रचनाकार : (1) राजेन्द्र यादव (आत्मकथा), (2) अमृत राय (जीवनी), (3) अज्ञेय (संस्मरण), (4) महादेवी वर्मा (रेखाचित्र), (5) निर्मल वर्मा (यात्रावृत्त), (6) मोहन राकेश (डायरी), (7) मनोहर श्याम जोशी (साक्षात्कार),

Handwritten signatures and marks:
Rajendra Yadav
Amit Ray
Ajneya
Mahadevi Varma
Nirmal Varma
Mohan Rakesh
Manohar Shyam Joshi

पाठ्यपुस्तक : अभिनव गद्य-वीथिका

सम्पादक : (1) प्रो० पवन अग्रवाल, आचार्य-हिन्दीविभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

(2) डॉ० दानबहादुर सिंह, अध्यक्ष-हिन्दी-विभाग, बजरंग महाविद्यालय, कुण्डा, प्रतापगढ़।

द्वि-पाठ हेतु - विष्णु प्रभाकर, हरिशंकर परसाई तथा ममता कालिया का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे। अतिलघु उत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से और व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

- | | | |
|---|---|-----------------------------|
| 1. हिन्दी का गद्य-साहित्य | : | डॉ० रामचन्द्र तिवारी |
| 2. हिन्दी उपन्यास का इतिहास | : | डॉ० गोपाल राय |
| 3. हिन्दी-साहित्य का इतिहास | : | सं. डॉ० नगेन्द्र |
| 4. अज्ञेय और उनका कथा-साहित्य | : | डॉ० गोपाल राय |
| 4. हिन्दी की गद्य-विधाएँ | : | बैजनाथ सिंघल |
| 5. हिन्दी उपन्यास का विकास | : | मधुरेश |
| 6. हिन्दी कहानी का इतिहास, भाग-1,2 | : | डॉ० गोपाल राय |
| 7. नयी कहानी-संदर्भ और प्रकृति | : | देवीशंकर अवस्थी |
| 8. हिन्दी कहानी का विकास | : | मधुरेश |
| 9. हिन्दी-कहानी का इतिहास | : | डॉ० गोपाल राय |
| 10. कहानी, नयी कहानी | : | डॉ० नामवर सिंह |
| 11. हिन्दी-कहानी : समीक्षा एवं सन्दर्भ | : | डॉ० विवेकी राय |
| 12. कहानी : स्वरूप एवं संवेदना | : | राजेन्द्र यादव |
| 13. हिन्दी-कहानी की शिल्प-विधि का विकास | : | लक्ष्मीनारायण लाल |
| 14. हिन्दी-कहानी की रचना-प्रक्रिया | : | डॉ० परमानंद श्रीवास्तव |
| 15. आधुनिक गद्य की विविध विधाएँ | : | डॉ० उदयभानु सिंह |
| 16. साहित्य-सहचर | : | आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी |
| 17. समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचन्द | : | डॉ० महेन्द्र भटनागर |
| 18. प्रेमचन्द और उनका युग | : | डॉ० रामविलास शर्मा |
| 19. प्रेमचन्द पुनर्मूल्यांकन | : | डॉ० शम्भुनाथ |
| 20. हिन्दी कहानी : पहचान और परख | : | (सं०) इन्द्रनाथ मदान |
| 21. फणीश्वरनाथ रेणु का कथा-साहित्य | : | डॉ० जोगेन्द्र सिंह |
| 22. नयी कहानी की भूमिका | : | कमलेश्वर |
| 23. समकालीन कहानी का रचनाविधान | : | डॉ० गंगाप्रसाद विमल |
| 24. समकालीन हिन्दी कहानी | : | डॉ० पुष्पपाल सिंह |
| 25. कहानी स्वरूप और संवेदना | : | राजेन्द्र यादव |
| 26. गद्य की नवीन विधाएँ | : | डॉ० माजदा असद |
| 27. कलम का सिपाही | : | अमृत राय |
| 28. मुड़ मुड़कर देखता हूँ | : | राजेन्द्र यादव |
| 29. स्मृतिलेखा | : | अज्ञेय |
| 30. चीड़ों पर चाँदनी | : | निर्मल वर्मा |
| 31. मोहन राकेश की डायरी | : | मोहन राकेश |
| 32. मैं इनसे मिला | : | पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश' |
| 33. पथ के साथी | : | महादेवी वर्मा |

(सं. डॉ० नगेन्द्र)

Handwritten signatures and initials:
 - A large signature on the right side.
 - A signature at the bottom right.
 - A signature at the bottom left.
 - A signature at the bottom center.

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (30 प्र0)

पाठ्यक्रम : हिन्दीसाहित्य

बी0 ए0 तृतीय वर्ष

(सन् 2019-20 की परीक्षा से और उससे आगे के लिए)

प्रथम प्रश्नपत्र : समकालीन हिन्दी एवं अवधी-काव्य

पूर्णांक 100

| | | | |
|--------------|------------------------|---|---|
| अंक-विभाजन : | अति लघु उत्तरीय प्रश्न | : | दस, 20 अंक (10 × 2), लगभग 50 शब्दों में। |
| | व्याख्या | : | तीन, 30 अंक (3 × 10) --- |
| | लघु उत्तरीय प्रश्न | : | दो, 20 अंक (2 × 10), लगभग 250 शब्दों में। |
| | दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | : | दो, 30 अंक (2 × 15), लगभग 500 शब्दों में। |

निर्धारित कवि एवं उनके काव्यांश

1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' : पाँच कविताएँ
2. गजानन माधव मुक्तिबोध : पाँच कविताएँ
3. नागार्जुन : पाँच कविताएँ
4. भवानीप्रसाद मिश्र : पाँच कविताएँ
5. सुदामाप्रसाद पाण्डेय 'धूमिल' : पाँच कविताएँ
6. बलभद्रप्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' : पाँच कविताएँ
7. त्रिलोचन शास्त्री : 'अमोला' से 25 बरवै
8. आद्याप्रसाद मिश्र 'उन्मत्त' : पाँच कविताएँ

पाठ्यपुस्तक : समकालीन हिन्दी एवं अवधी-कविता

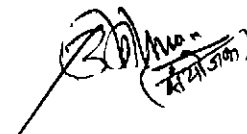
सम्पादक : (1) प्रो0 चित्तरंजन मिश्र, अध्यक्ष-हिन्दीविभाग, दी0 द0 उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

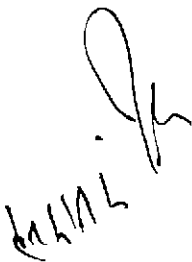
(2) डॉ0 दुर्गाप्रसाद ओझा, प्राचार्य, हेमवतीनन्दन बहुगुणा पी0 जी0 कालेज, लालगंज, प्रतापगढ़।

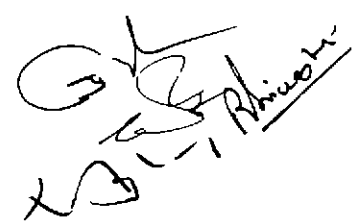
दृढ-पाठ हेतु - शमशेरबहादुर सिंह, विश्वनाथप्रसाद तिवारी तथा केदारनाथ सिंह का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन कवियों पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे। अति लघु उत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से और व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

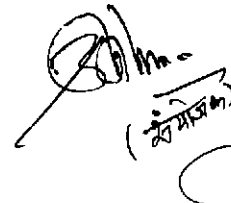
1. समकालीन हिन्दी-कविता : (सं0) डॉ0 विश्वनाथप्रसाद तिवारी
2. समकालीन हिन्दी-कविता की संवेदना : डॉ0 गोविन्द रजनीश
3. समकालीन हिन्दी-कविता : विविध परिदृश्य : डॉ0 गोविन्द रजनीश
4. समकालीन कविता पर बहस : डॉ0 जगदीशप्रसाद श्रीवास्तव

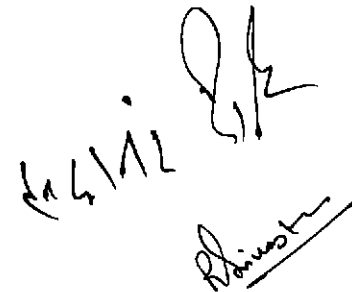

(सं0 जगदीशप्रसाद श्रीवास्तव)

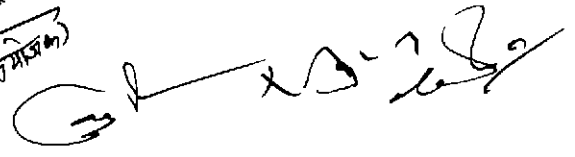




5. समकालीन काव्ययात्रा : नन्दकिशोर नवल
6. समकालीन कविता का यथार्थ : डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव
7. समकालीन कविता का व्याकरण : डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव
8. समकालीन कविता : वैचारिक आयाम : डॉ० बलदेव बंशी
9. समकालीन हिन्दी-कविता : डॉ० रवीन्द्र भ्रमर
11. समकालीन कविता की भूमिका : डॉ० विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
12. आधुनिक हिन्दी-कविता : डॉ० विश्वनाथप्रसाद तिवारी
13. नयी कविता : सम्भावनाएँ और सीमाएँ : (सं०) गिरिजाकुमार माथुर
14. नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ : डॉ० जगदीश गुप्त
15. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नन्दकिशोर नवल
16. आज के लोकप्रिय कवि : नागार्जुन : प्रभाकर माचवे
17. बाबा नागार्जुन : नरेन्द्र कोहली
18. बाबा नागार्जुन : सुरेशचन्द्र गुप्त
19. नागार्जुन का संवाद : विजयबहादुर सिंह
20. नागार्जुन : (सं०) सुरेशचन्द्र त्यागी
21. नागार्जुन की प्रतिनिधि रचनाएँ : डॉ० नामवर सिंह
22. बाबा नागार्जुन 'रस और राग' : डॉ० रामशंकर त्रिपाठी
23. नागार्जुन का रचनासंसार : डॉ० विजयबहादुर सिंह
24. कवियों का कवि शमशेर : रंजना अरगडे
25. 'पद्मिनी' रचनावली
26. हिन्दी के लोकप्रिय कवि-अज्ञेय : (सं०) डॉ० विद्यानिवास मिश्र
27. कविता के नये प्रतिमान : डॉ० नामवर सिंह
28. नयी कविता के प्रतिमान : लक्ष्मीकान्त वर्मा
29. चालीसोत्तर कविता के हीरक हस्ताक्षर : डॉ० दुर्गाप्रसाद ओझा, डॉ० मधु खन्ना, डॉ० इला सुकुमार
30. अज्ञेय कवि : ओमप्रकाश अवस्थी
31. अज्ञेय की कविता : डॉ० चन्द्रकान्त बांडिवदेकर
32. अज्ञेय : व्यक्तित्व-विभास : डॉ० दुर्गाप्रसाद ओझा
33. अज्ञेय की सम्पादन-कला : डॉ० नलिनकान्त उपमन्यु
34. मुक्तिबोध की काव्यकला : डॉ० अचला तिवारी
35. आत्मसंघर्ष की कविता और मुक्तिबोध : डॉ० हंसराज त्रिपाठी
36. कल सुनना मुझे : सुदामाप्रसाद पाण्डेय 'धूमिल'
37. अवधी कविता के शिरोरत्न : आद्याप्रसाद मिश्र 'उन्मत्त'
38. बोली-बानी : आद्याप्रसाद मिश्र 'उन्मत्त'
39. माटी औ महतारी : आद्याप्रसाद मिश्र 'उन्मत्त'
40. मुक्तिबोध : डॉ० कृष्णमोहन







इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (30 प्र0)

पाठ्यक्रम : हिन्दीसाहित्य

बी0 ए0 तृतीय वर्ष

(सन् 2019-20 की परीक्षा से और उससे आगे के लिए)

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दीभाषा एवं साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग-विवेचन

पूर्णांक- 100

| | | |
|--------------|------------------------|---|
| अंक-विभाजन : | अति लघु उत्तरीय प्रश्न | : दस, 20 अंक (10 × 2), लगभग 50 शब्दों में। |
| | लघु उत्तरीय प्रश्न | : पाँच, 50 अंक (5 × 10), लगभग 250 शब्दों में। |
| | दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | : दो, 30 अंक (2 × 15), लगभग 500 शब्दों में। |

पाठ्य-विषय :

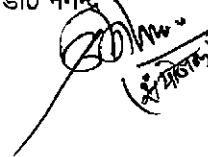
(क) हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : 'हिन्दी' शब्द की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ, हिन्दी भाषा के विविध रूप- (1) बोलचाल की भाषा (2) रचनात्मक भाषा (3) राजभाषा (4) राष्ट्रभाषा (5) सम्पर्क भाषा, तथा (6) संचार भाषा। हिन्दी शब्द-समूह और उसके मूल स्रोत- तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली। देवनागरी-लिपि- नामकरण, उद्भव और विकास, विशेषताएँ (वैज्ञानिकता), त्रुटियाँ (दोष) और सुधार के उपाय।

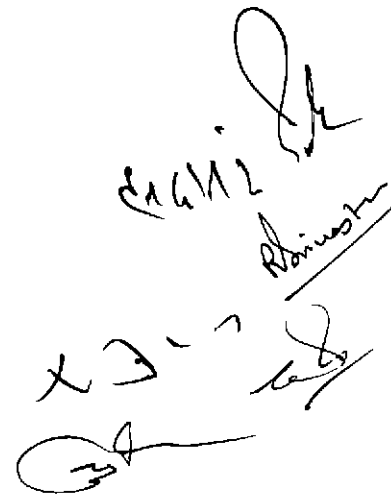
(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल-विभाजन एवं नामकरण, प्रमुख-युग तथा उनकी प्रवृत्तियाँ (विशेषताएँ), प्रमुख रचनाकार तथा उनकी प्रतिनिधि रचनाएँ।

(ग) काव्यांग-विवेचन : काव्य का स्वरूप, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्यगुण, काव्यदोष

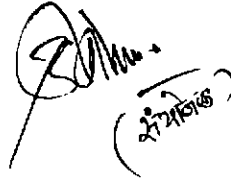
सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1. हिन्दी भाषा का विकास : प्रो0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. अच्छी हिन्दी : रामचन्द्र वर्मा
3. हिन्दी भाषा : डॉ0 कैलाशचन्द्र भारिया
4. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास : डॉ0 राधिकाप्रसाद त्रिपाठी
5. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास : डॉ0 सत्यनारायण त्रिपाठी
6. भाषा-विज्ञान और मानक हिन्दी : डॉ0 नरेश मिश्र
7. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
8. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : डॉ0 उदयनारायण तिवारी
9. भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ0 रामदरश राय
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
11. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं.) डॉ0 नगेन्द्र


(सं. प्रकाश)


Dr. Kailash Chandra Bhartiya


12. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा
13. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी
14. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ० जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल
15. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्त्यात्मक इतिहास : डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
16. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० लक्ष्मीसागर वाष्णीय
17. हिन्दी साहित्य का अतीत : आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
18. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ० वासुदेव सिंह
19. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० गणपतिचन्द्र गुप्त
20. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० ओंकारनाथ त्रिपाठी
21. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास : डॉ० विश्वनाथ त्रिपाठी
22. काव्य के रूप : गुलाब राय
23. काव्यशास्त्र : डॉ० भगीरथ मिश्र
24. काव्यशास्त्र : डॉ० कृष्णबल
25. काव्य-प्रकाशिका : डॉ० रमाशंकर तिवारी
26. काव्य-कौमुदी : डॉ० बालकृष्ण गुप्त
27. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ० योगेन्द्रप्रताप सिंह


(संशोधक)









इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (30 प्र०)

पाठ्यक्रम : हिन्दीसाहित्य

बी० ए० तृतीय वर्ष

(सन् 2019-20 की परीक्षा से और उससे आगे के लिए)

तृतीय प्रश्नपत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता-प्रशिक्षण

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन : अति लघु उत्तरीय प्रश्न : दस, 20 अंक (10 × 2), लगभग 50 शब्दों में।
लघु उत्तरीय प्रश्न : पाँच, 50 अंक (5 × 10), लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : दो, 30 अंक (2 × 15), लगभग 500 शब्दों में।

पाठ्य विषय :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप

पत्राचार : पत्राचार के प्रकार, कार्यालयी पत्र- सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, माँगपत्र, अधिसूचना, परिपत्र शासनादेश, कार्यालय अनुदेश, अनुस्मारक, निविदा सूचनाएँ। व्यावसायिक पत्र और व्यावहारिक पत्र। आवेदनपत्र के विविध प्रारूप। संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, टिप्पण।

3. पत्रकारिता : पत्रकारिता- अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार, हिन्दी-पत्रकारिता का उद्भव और विकास, भारत में पत्रकारिता का उद्भव और विकास, साहित्यिक पत्रकारिता का संक्षिप्त परिचय। पत्रकारिता का स्वरूप और वर्तमान परिदृश्य। समाचार-लेखन तथा शीर्षकीकरण, लोकतान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

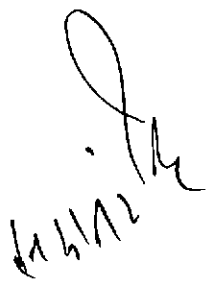
सम्पादक के गुण, पृष्ठसज्जा एवं प्रस्तुतीकरण, सोसल मीडिया।

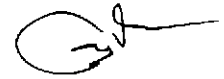
अनुवाद : स्वरूप और प्रक्रिया। अनुवाद के विविध प्रकार।

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. रामकिशोर शर्मा
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. मुश्ताक अली
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : कैलाशनाथ पाण्डेय
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. बालेन्दुशेखर तिवारी
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. रामप्रकाश
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. प्रेमचन्द पंतजलि
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. सर्वेश पाण्डेय
9. व्यावहारिक हिन्दी : डॉ. रामप्रकाश
10. व्यावहारिक हिन्दी : डॉ. रामकिशोर शर्मा
11. सामान्य हिन्दी : व्यावहारिक हिन्दी : डॉ. भोलानाथ तिवारी एवं डॉ. ओमप्रकाश



(संयोजक)











12. हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
13. जनसंचार और हिन्दी-पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी
14. सामान्य हिन्दी (हिन्दी भाषा, व्याकरण, रचना एवं प्रयोग) : डॉ. शिवमूर्ति शर्मा
15. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी
16. अनुवाद-कला : डॉ. भोलानाथ तिवारी
17. कार्यालयीय हिन्दी : डॉ. विजयपाल सिंह
18. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद
19. संचार क्रान्ति और हिन्दी-पत्रकारिता : डॉ. अशोककुमार शर्मा
20. हिन्दी-पत्रकारिता : विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
21. सम्पादन-कला : डॉ. संजीव भानावत
22. हिन्दी-पत्रकारिता का विकास : एन.सी. पन्त
23. पत्रकारिता के सिद्धान्त : डॉ. रमेशचन्द्र त्रिपाठी
24. हिन्दी पत्रकारिता : अम्बिकाप्रसाद बाजपेयी
25. जनसंचार-माध्यम और पत्रकारिता : प्रवीण दीक्षित
26. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम : डॉ० संजीव भानावत
27. हिन्दी-पत्रकारिता : कृष्ण बिहारी मिश्र
28. हिन्दी-पत्रकारिता : दशा और दिशा : जयप्रकाश भारती
29. पत्रकारिता के प्रतिमान : प्रेमचन्द गोस्वामी
30. हिन्दी-पत्रकारिता : कल, आज और कल : सुरेश गौतम
31. पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ : डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय


(कुंभकर्ण)





